विचार बिन्दु

प्रकृति अपरिमित ज्ञान का भंडार है, पत्ते-पत्ते में शिक्षापूर्ण पाठ हैं, परंतु उससे लाभ उठाने के लिए अनुभव आवश्यक है। –हरिऔध

वर्षा जल की एक-एक बूंद है अनमोल

देश में हर साल मानसून आता है और सर्वत्र बारिश होती है, इसके बावजूद लोग पानी के लिए तरस जाते है। इसका एक मुख्य कारण है हम वर्षा जल का संचयन नहीं कर पाते। मौसम विभाग की माने तो मानसून भारत में प्रवेश कर चुका है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक बारिश शुरू हो गई है। मानसून अपने साथ अपार खुशियां लेकर आता है। लोगों को पीने के लिए जहाँ पानी मिलता है वहां किसान अपने खेतों में बुवाई शुरू कर देते है। बारिश से कई जगह बाढ़ की हालत भी हो गई है। वर्षा जल की एक-एक बूंद अनमोल है। जल है तो जीवन है। इसका संचय, संरक्षण से ही मानव जीवन की रक्षा संभव है। जल की अनावश्यक बर्बादी नहीं होने दें। जल संरक्षण के लिए सभी को जागरूक होना होगा और सामूहिक प्रयास करना होगा। इससे जल संरक्षण की दिशा में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे।

वर्षा के जल को किसी खास माध्यम से संचय करने या इकट्ठा करने की प्रक्रिया को वर्षा जल संचयन कहा जाता है। विश्व भर में पेयजल की कमी एक संकट बनती जा रही है। इसका कारण पृथ्वी के जलस्तर का लगातार नीचे जाना भी है। इसके लिये अधिशेष मानसून अपवाह जो बहकर सागर में मिल जाता है, उसका संचयन और पुनर्भरण किया जाना आवश्यक है ताकि भूजल संसाधनों का संवर्धन हो पाये। अकेले भारत में ही व्यवहार्य भूजल भण्डारण का आकलन 214 बिलियन घन मी. (बीसीएम) के रूप में किया गया है जिसमें से 160 बीसीएम की पुनः प्राप्ति हो सकती है। इस समस्या का एक समाधान जल संचयन है। यहाँ सवाल यह उत्पन्न होता है की भारी मात्रा में मानसूनी जल उपलब्ध होने के बावजूद हम जल संकट सामना क्यों कर रहे है। इसका जवाब है हमने अपने परंरागत जल श्रोत समाप्त कर दिए।

भारत को कुए-बावड़ी टांकों और तालाबों का देश कहा जाता है। यहाँ लाखों की संख्या में परंपरागत जल श्रोत थे। नदियां हर समय पानी से लबालब भरी होती थी। इसके बावजूद हम जल समस्या का सामना कर रहे है। यह समस्या हर साल गहराती जा रही है। खेत तो दूर की बात पीने को भी पानी नहीं मिल पा रहा है। यही कारण है की भारत सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय का गठन कर जल संचयन का बीड़ा उठाया है। हमारे देश में हर साल मानसून में बहुत सा पानी व्यर्थ बह जाता है जिसके संचयन की कारगर व्यवस्था अब तक नहीं खोजी जा सकी है। साल भर में होने वाली बारिश का कम से कम 31 प्रतिशत पानी धरती के भीतर रिचार्ज के लिए जाना चाहिए। जब की केवल 13 प्रतिशत पानी ही धरती में समाता है। रिचार्ज नहीं होने की वजह से भूगर्भ में पानी की कमी हो जाती है और उसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ता है।

हमारे देश में सूखा और बाढ़ की अजब गजब स्थिति है। देश के किसी भाग में सूखा तो किसी में बाढ़ अक्सर हम देखते है। यह समय मानसून का है और मानसून ने देश में प्रवेश कर लिया है। भारत सरकार द्वारा कैच द रैन कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन अभियान देश भर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चलाया जा रहा है और इसका नारा है जहां भी गिरे और जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें।

मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष देश में बंपर बारिश हो सकती है। इस अच्छी बारिश का संचय कर पेयजल संकट से निपटने के साथ खेतों में बंपर पैदावार हासिल की जा सकती है। देश इस समय भीषण जल संकट से गुजर रहा है और इस आसन्न संकट पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो हालत बदतर होने की सम्भावना है। भारत अब तक के सबसे बड़े जल संकट से जूझ रहा है।

देश के करीब 60 करोड़ लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। करीब 75 प्रतिशत घरों में पीने का पानी उपलब्ध नहीं है। साथ ही, देश में करीब 70 प्रतिशत पानी पीने लायक नहीं है। साफ और सुरक्षित पानी नहीं मिलने की वजह से हर साल करीब दो लाख लोगों की मौत होती है। पृथ्वी पर कुल जल का अढ़ाई प्रतिशत भाग ही पीने के योग्य है। इनमें से 89 प्रतिशत पानी कृषि कार्यों एवं 6 प्रतिशत पानी उद्योग कार्यों पर खर्च हो जाता है। शेष 5 प्रतिशत पानी ही पेयजल पर खर्च होता है। यही जल हमारी जिन्दगानी को संवारता है।

अगर बरसात के बाद नदी-नालों से बहने वाले पानी का प्रभावी तरीके से संग्रहण किया जाय तो पानी कई गुना और ज्यादा मिलने लगेगा। वैश्विक संस्थाओं की लगातार चेतावनियों का लगता है लोगों पर कोई असर नहीं पड़ा है। विभिन्न संगठनों की पानी सम्बन्धी रिपोर्टों में साफ कहा गया है की भूगर्भ में अब पानी नहीं रहा है और बरसात का पानी सहेजने में हम नकारा साबित हुए है। विशेषकर भारत में पानी के प्रति घोर लापरवाही का परिणाम आम आदमी को शीघ्र भुगतना होगा। दुनियाभर में 200 करोड़ से ज्यादा लोग साफ पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

हमारे देश में सूखा और बाढ़ की अजब गजब स्थिति है। देश के किसी भाग में सूखा तो किसी में बाढ़ अक्सर हम देखते है। यह समय मानसून का है और मानसून ने देश में प्रवेश कर लिया है। भारत सरकार द्वारा कैच द रैन कार्यक्रम के तहत वर्षा जल संचयन अभियान देश भर में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में चलाया जा रहा है और इसका नारा है जहां भी गिरे और जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें। इस अभियान को 30 नवबंर तक चलाया जायेगा। नीति आयोग के अनुसार, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को जल संरक्षण और भूजल को रिचार्ज करने का एक सरल, व्यवहारिक और पर्यावरण के अनुकूल तरीका माना जाता है। ऐसे में देश के कई राज्यों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बना दिया गया है। शहरी विकास मंत्रलय के मुताबिक प्रति 100 स्क्वायर मीटर क्षेत्र की छत से हर साल 55,000 लीटर तक जल का संरक्षण किया जा सकता है।

प्रधान मंत्री लगातार जल संचयन को जन आंदोलन बनाने पर खासा जोर दे रहे है। आम आदमी को जल संरक्षण एवं समझाइश के माध्यम से पानी की बचत का सन्देश दे रहे है। अब आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी प्यास बुझाई जा सकेगी। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। है। आम आदमी को जल संरक्षण एवं समझाइश के माध्यम से पानी की बचत का सन्देश देना होगा। वर्षा की अनियमितता और भूजल दोहन के कारण भी पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 6 जुलाई, 2023

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम सावन मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 12:25 तक, प्रीति योग रात्रि 12:00 तक, विष्टि करण प्रातः 6:31 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:38 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मकर, मंगल-सिंह, बुध-मिथुन, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज भद्रा प्रातः 6:31 तक है। शुक्र मघा सिंह रात्रि 4:06 पर प्रवेश करेगा। आज चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:46 पर होगा। पंचक दिन 1:38 से आरम्भ होंगे। आज चतुरथी तिथि का क्षय हुआ है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:25 तक, चर 10:49 से 12:31 तक, लाभ-अमृत 12:31 से 3:56 तक, शुभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:21

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

मिथुन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें अभी यथावत बनी रहेगी। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

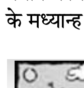

कर्क

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

सिंह

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। दिन के मध्यान्ह परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक स्थिति में सुधार होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

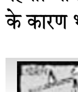

तुला

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

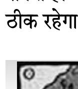

वृश्चिक

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

मन:स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा।

रास्ते पर किये अतिक्रमण हटाने की मांग, आयुक्त व एडीएम को ज्ञापन सौंपा

लोगों को आने-जाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है

जालोर, (कासं)। जालोर के सरगरों की ढाणी के आसपास निवास करने वाले लोगों ने रास्ते पर किये गये अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर बुधवार को शिव सेना के जिला प्रमुख रूपराज राजपुरोहित के नेतृत्व में नगरपरिषद के आयुक्त व एडीएम को ज्ञापन सौंपा। जालोर के सरगरों की ढाणी के लोग लक्ष्मी नारायण नगर, राजपूत हॉस्टल के पास निवास करने वाले परिवार सहित अन्य लोगों ने उनके आवागमन का रास्ता रोकने पर ज्ञापन सौंपा।

शिव सेना के जिला प्रमुख रूपराज राजपुरोहित के नेतृत्व में ज्ञापन सौपा कर बताया कि इस मार्ग पर रहने वाले लोग रोज पेट पालन मजदूरी के लिए शहर में आते हैं तथा शाम को राजपूत हॉस्टल से होते हुए भंवरलाल नामक व्यक्ति के प्लॉट के आगे से घर लौटते हैं। उक्त रास्ता मुख्यमंत्री बजट घोषणा के अंतर्गत डामर सड़क सैंक्शन होकर मौके पर भंवरलाल के प्लॉट के आगे तक सड़क आई तो भंवर लाल व उसके

जालोर के सरगरों की ढाणी मार्ग पर अतिक्रमण करने के विरोध में लोग शिव सेना के नेतृत्व में ज्ञापन देने नगरपरिषद पहुंचे।

परिवार वालों ने उक्त डामर सड़क का कार्य रुकवा दिया। वहीं पीडब्ल्यूडी कार्यालय में नगर परिषद द्वारा सूचना देकर उक्त सड़क का अतिक्रमण ध्वस्त करने तथा रास्ते में बांधा को निस्तारण को कहा। इस कार्य के संबंध की अर्जी नगर परिषद आयुक्त को ठेकेदार द्वारा दी गई। जिसकी प्रार्थना पत्र के संबंध में आयोग ने जालोर द्वारा पुलिस अधीक्षक, जिला कलेक्टर जालोर, पुलिस कोतवाली जालोर पुलिस सुरक्षा के लिए पत्र लिखा था तथा नगर परिषद उडन दस्ता द्वारा 25 अप्रैल 2023 को उक्त चिन्हित स्थल पर मौके पर ग्रेवल सड़क का कार्य पूर्ण का रास्ता पूर्ण कर

■ इस मार्ग पर रहने वाले लोग रोज पेट पालन मजदूरी के लिए शहर में आते हैं

मौके पर रास्ता सुचारू रूप से शुरू हो गया। लोगों को उक्त रास्ता से आना जाना शुरू हो गया। भंवरलाल द्वारा बार-बार रास्ते पर अतिक्रमण किया जा रहा है। जिससे लोगों को आने जाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में रास्ते पर किये गये अतिक्रमण हटाकर रास्ता दिलाने की मांग की गई। इस दौरान शिवसेना जिला प्रमुख रूपराज पुरोहित, शिवसेना जिला सचिव योगी शेषनाथ, तथा शिवसेना सदस्य सुरेन्द्रसिंह, भंवर, हंजाराम, रमेश, मुकेश, कपुराराम, मोहनलाल, खेताराम, भोपालसिंह, जसवंत सिंह, अनिल, भरतनाथ तथा महिलाएं हवली देवी, पंकी देवी, फूली, सुन्दर आदि कई महिलाएं व सदस्य मौके पर मौजूद रहे।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत के प्रयासों से जोधपुर को वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली

प्रधानमंत्री वर्चुअल रूप से सात जुलाई को जोधपुर से इसे रवाना करेंगे

जोधपुर, (का.सं.)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत के सार्थक प्रयासों से राजस्थान की दूसरी सेमी हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेन जोधपुर से आरंभ हो रही है। सात जुलाई को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी वुर्चअल रूप से इसे रवाना करेंगे। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत जोधपुर में मौजूद रहेंगे। मंत्री शेखावत इसमें सवार होंगे। यह वंदे भारत ट्रेन जोधपुर से साबरमती तक जाएगी। ट्रेन के आज जोधपुर स्टेशन पहुंचने से यहां पर लोगों में खुशी का माहौल है।

जोधपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस आरंभ करने के लिए केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को आग्रह किया था। इस पर रेल मंत्री ने जोधपुर को यह सौगात दी है। इसको लेकर जोधपुरवासियों को लम्बे समय से इंतजार था। केन्द्रीय मंत्री शेखावत के आग्रह पर राजस्थान की दूसरी वंदे भारत ट्रेन जोधपुर से आरंभ हो रही है। जोधपुर से साबरमती के मध्य चलने वाली इस ट्रेन को जोधपुर के लोग

■ केन्द्रीय मंत्री शेखावत इस दौरान मौजूद रहेंगे

काफी उत्साहित है। ट्रायल के एक दिल पहले वंदे भारत के जोधपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर इसे देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। इसका ट्रायल रन पांच को है। विधिवत रूप से जोधपुर के भगत कोठी स्टेशन से सात जुलाई को रवाना किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुटल रूप से इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जोधपुर में आयोजित होने वाल समारोह में केन्द्रीय मंत्री शेखावत विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। जोधपुर को वंदे भारत की सौगात दिलाने पर भाजपा शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सालेचा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं जोधपुर सांसद केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत का आभार व्यक्त किया है। भाजपा ने कहा कि राजस्थान की दूसरी वंदे भारत जोधपुर से रवाना हो रही इसको लेकर जोधपुर के लोगों में खुशी एवं उत्साह का माहौल है। यह ट्रेन जोधपुर से साबरमती तक जाएगी। भारतीय जनता पार्टी ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत से यह भी आग्रह किया है कि जोधपुर से दिल्ली के मध्य ऐसी ही सेवा आरंभ की जाए। केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने आश्वस्त किया है कि शीघ्र ही जोधपुर से दिल्ली के लिए भी वंदे भारत ट्रेन आरंभ की जाएगी। इसके लिए भी रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को आग्रह किया गया है।

उपखंड अधिकारी कार्यालय में निकला सांप

कैट स्नेक (बिल्ला सांप) को सुरक्षित रेस्क्यू किया

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी, (निसं)। राजस्थान वाइल्डलाइफ एंड नेचर सोसाइटी ने उपखण्ड अधिकारी कार्यालय सहित कई जगह से 10 सांपों को सुरक्षित रेस्क्यू करके आमजन को सर्पभय से मुक्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम को उपखंड अधिकारी कार्यालय में एक सांप घुस गया, जिसकी सूचना वन्यजीव विशेषज्ञ, सर्पमित्र, मिशन स्नेक बाईट डेथ फ्री इंडिया के राजस्थान स्टेट कॉर्डिनेटर कैलाश चंद सैनी को मिली। सैनी अपनी टीम बुद्ध प्रकाश सैनी, पंकज वर्मा पूर्व पार्षद ,जालिमसिंह के साथ कार्यालय पर पहुंच कर कैट स्नेक बिल्ला सांप को सुरक्षित रेस्क्यू किया। इसी तरह अमरचंद सैनी वार्ड नं 32 के घर से एक बिग साइज ब्लैक रॉयल सांप ,मानासी गांव से एक बिग साइज ब्लैक रॉयल साँप, जयराम धूत के घर से कोबरा सांप, वार्ड नं 35 ज्ञान कंवर के घर कोबरा सांप, दिनवा गांव से एक कोबरा सांप, रामावतार सैनी, बजाजों के कुएं के पास के घर से एक कोबरा सांप, मान सिंह शेखावत कुमास के घर से कोबरा सांप एवं मोदी यूनिवर्सिटी कैंपस से 2 मॉनिटर लिजार्ड को सुरक्षित रेस्क्यू करके वन विभाग के निर्देश पर जंगल मे छोड़ दिया गया।

टमाटर महंगे होने से रसोई का बजट बिगड़ा

जैसलमेर में टमाटर 120 रुपए किलो बिक रहा है

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में इन दिनों टमाटर के भाव आसमान छू रहे हैं। आम दिनों में 20 रुपए किलो में आसानी से नसीब होने वाला टमाटर अब 120 रुपए किलो के हिसाब से जैसलमेर में बिक रहा है। रसोई घर में हर सब्जी में और इसके साथ ही सलाद का राजा टमाटर अब रसोई का बजट बिगाड़ रहा है। सब्जी बेचने वाले दुकानदारों का कहना है कि सब्जियों के भाव बढ़ने से ग्राहकी भी घट गई। लोग

■ भाव सुन बिना सब्जी लिए लौट रहे हैं लोग

आते हैं लेकिन भाव सुनकर बिना सब्जी लिए लौट रहे हैं। ज्यादातर माल गुजरात से आता है और ऐसा बताया जा रहा है कि बिपरजॉय तूफान के बाद बारिश की वजह से टमाटर महंगा हो गया है। टमाटर के साथ ही और भी कई सब्जियां भी महंगी हुई है।

ग्रामीणों ने वनकर्मियों की टीम पर हमला किया

मछली पकड़ने से रोकने से नाराज थे ग्रामीण

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिले में ग्रामीणों को मछली पकड़ने से रोकना वनकर्मियों को भारी पड़ गया। मछली पकड़ने से रोकने से नाराज ग्रामीणों ने वनकर्मियों की टीम पर हमला कर दिया। ग्रामीणों के हमले में दो वनकर्मी घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक़ रणथंभौर नेशनल पार्क से सटे जैतपुर गांव के ग्रामीणों ने वन विभाग के गश्ती दल पर उस वक्त हमला कर दिया जब वनकर्मियों की टीम मछली पकड़ने वाले ग्रामीणों की बाइक जब्त कर ला रहे थे। ग्रामीणों के हमले में दो वनकर्मी घायल हो गये। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जहाँ दोनों का उपचार चल रहा है। वनकर्मी रमेश चंद्र

■ वनकर्मियों ने जैसे-तैसे भागकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों के हमले में दो वनकर्मी घायल हो गए, जिनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है

ने जानकारी देते हुए बताया कि वनकर्मियों की टीम मानसरोवर बांध क्षेत्र में गश्त कर रही थी। जहां कुछ लोग मानसरोवर बांध में मछली पकड़ रहे थे। वनकर्मियों ने मछली पकड़ रहे ग्रामीणों को टोका और उनकी बाईक को जब्त कर ली। मछली पकड़ने से रोकने व बाईक जब्त करने से नाराज तीन चार ग्रामीण वनकर्मियों से झगड़ा करने लगे और बाईक छुड़ाने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान करीब 30-35 अन्य ग्रामीण भी वहाँ आ गए और वनकर्मियों पर हमला कर दिया। वनकर्मियों ने जैसे तैसे भागकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों के हमले में दो वनकर्मी घायल हो गए। जिनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है।

प्रभावशाली लोगों ने आठ सौ बीघा सरकारी भूमि पर कब्जा किया

सरकारी भूमि पर कब्जा करने की वजह से आवागमन के कई रास्ते बंद

बाप, (निसं)। नूरे की भुर्ज पंचायत के कालू खां की ढाणी में प्रभावशाली लोगों ने आठ सौ अधिक बीघा सरकारी भूमि पर कब्जा कर लिया। तारबंदी करने के बाद वंहा खेती कर रहे हैं। बड़ी तादाद में सरकारी भूमि पर कब्जा करने की वजह से कई आवागमन के रास्ते बंद हो गए, जिससे लोग परेशान हैं।

ग्रामीण लंबे समय से इसकी शिकायत स्थानीय प्रशासन को करते

■ उपखंड अधिकारी ने ग्रामीणों को उचित कार्यवाही करने का भरोसा दिया

■ नूरे की भुर्ज पंचायत के कालू खां की ढाणी का मामला

आ रहे हैं, लेकिन कार्यवाही नहीं हो रही है। बुधवार को फिर कुछ ग्रामीण बाप पहुंचे तथा उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की। कालू खां ढाणी निवासी अजीज, बच्चू खां, पिरान खां, इलियास, कमरदीन, बरकत, जुनस आदि ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देकर बताया कि ग्राम कालू खां की ढाणी के खसरा नंबर 255/223 रकबा 816 बीघा भूमि सरकारी भूमि है। जिस पर गांव के प्रभावशाली लोगों ने कब्जा कर रखा है। अतिक्रमण की वजह से पशुओं के विचरण व चरने की भूमि तक नहीं बची। शिकायत के बाद भी कार्यवाही नहीं होने के कारण उन लोगों ने अपने खातेदारी जमीन के साथ उक्त सरकारी जमीन को मिलाकर तारबंदी व जाली कर ली तथा वहां खेती कर रहे हैं।

नहर से पानी की चोरी भी कर रहे हैं। अगर गांव में कोई व्यक्ति अतिक्रमण के बारे में इनसे कुछ कहता है तो वे उनसे मारपीट की धमकी देते है। ग्रामीणों ने रोष जाहिर करते हुए कहा कि अतिक्रमियों के विरूद्ध पहले भी कई बार शिकायतें की गई, लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। जिससे अतिक्रमण दिनों दिन बढ रहा है। उपखंड अधिकारी ने ग्रामीणों को उचित कार्यवाही करने का भरोसा दिया है।